

प्रेस्टिज़ियल

बगम्भाध शाल,
संसुखता तंधिव,
उत्तरभृष्टेश वागतन।

तेला में,

निकेश, उच्चरिष्ठा,
उत्तरभृष्टेश, हलाहालाद।

उच्चरिष्ठा ब्रह्माग - ६

विषय:- पुर्देश के आशारकीय महाविद्युपालयों को अत्यतंष्टव तंत्र्या धोषित किया जाना।

महोदय,

पुर्देश के अक्षीतकीय महाविद्युपालयों को अत्यतंष्टव तंत्र्या धोषित किये जाने द्वारा मानकों के निपरिण विद्युप शासनादेश तंत्र्या - २९६/१५-१९-१५-३/२/९३, दिनांक: ४-३-१९९३ द्वारा संधिव, उच्चरिष्ठा विभाग की अध्यक्षता में निषित तमिति की दिनांक २१-६-२००५ को आयोजित बैठक में की गयी तंत्र्युति के द्वारा में द्वारा नियम कालेज आफ खुलेश में बदाना, मेरठ द्वारा वांछित अभियोग विवरण उपलब्ध ढारा किये गये हैं।

अतः तम्यक विद्यारोपराम्भ भ्री राज्यवाल उक्त महाविद्युपालय को उ०७०
राज्य विद्युपिद्युपालय अधिनियम १९७३ से आप्छा दित पात्रवृक्षों द्वारा तात्कालिक पुराय
ते अत्यतंष्टव तंत्र्या धोषित करने की स्वीकृति सही प्रवान करते हैं।

महोदय,

॥ बगम्भाध शाल ॥
संसुखता तंधिव

तंत्र्या - ३९०० ॥ ॥ तात्त्वार - ६ - २००५, तदूपिनांक।

प्रतिलिपि नियन्त्रिति को तुपनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही द्वारा प्रोत्तिज्ञा।

घोषिती परग सिंह विद्युपिद्युपालय, मेरठ।

तम्यक अभियोग महाविद्युपालय के पुरायक।

आप्छा ते,

✓

॥ बगम्भाध शाल ॥

For Translation College of Education तंत्र्युक्त तंधिव

President